University in News on 31 December 2023

JAGRAN CITY PAGE IV

15 से 17 फरवरी तक होगा शिखर सम्मेलन

देश भर के विश्वविद्यालयों एवं कालेजों के कुलपति, निदेशक, प्राचार्य होंगे शामिल

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में आगामी 15 से 17 फरवरी तक राष्ट्रीय संस्थागत नेतृत्व शिखर सम्मेलन (एनएसआइएल)-2024 का आयोजन किया जाएगा। इसमें राज्य, केंद्रीय विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थानों के संस्थापक, प्रबंधन, चांसलर या वाइस चांसलर, निदेशक, प्रिंसिपल शामिल होंगे। सम्मेलन की तैयारियों के लिए शनिवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में मंथन हाल में बैठक हुई।

शिखर सम्मेलन विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की एक पहल है, जिसे लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है। बैठक में तीन दिनों तक होने वाले शिखर सम्मेलन की संरचना एवं तकनीकी सत्र पर चर्चा हुई। शिखर सम्मेलन में आइडिया एक्सचेंज पर एक सत्र भी होगा, जिसमें भाग लेने वाले संस्थानों को एनईपी 2020 कार्यान्वयन के संबंध में अपने सर्वोत्तम प्रथाओं, सफल माडलों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इन विषयों पर होगी चर्चा : शिखर सम्मेलन में बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा, एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट, एनसीआरएफ और एपीएआर, संस्थागत नेतृत्व एवं शासन, उच्च शिक्षण संस्थान (एचईआइ) में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण, समग्र शिक्षा के लिए अनुसंधान एवं नवाचार, संस्थागत सहयोग और शैक्षणिक संबंध, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व, एचईआई में सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित समूह, एचईआईएस की रैंकिंग और मान्यता, भारतीय एचईएल@2047, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच, पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर चर्चा होगी।

आज लवि में आएगी गुजरात विश्वविद्यालय की टीम

जासं, लखनऊ : गुजरात विश्वविद्यालय की टीम रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करने आएगी। टीम में विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी और संपत्ति अभियंता शैलेश गोस्वामी शामिल हैं। लवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि गुजरात विश्वविद्यालय की टीम लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय भवन, भौतिक विज्ञान भवन और रसायन विज्ञान भवन पर की गई सजावट, गौरव स्थल एवं संविधान स्थल को देखेगी। उसकी फोटो खींचने के साथ वीडियो भी बनाकर ले जाएगी। इसके बाद गुजरात विश्वविद्यालय में भी इसी प्रकार के स्थलों को स्थापित करने की योजना है।

इन विषयों का भी कार्यक्रम तय

एम.ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं नौ जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 10 जनवरी से, एम.एससी. माइक्रो बायोलाजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 15 व तीसरे सेमेस्टर की नौ जनवरी से, एम.एससी. इन्वायरमेंटल साइंस प्रथम सेमेस्टर (रेगुलर) की परीक्षा 15 जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा नौ जनवरी से आयोजित की जाएंगी। पीजी डिप्लोमा इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन प्रथम सेमेस्टर 18 से 23 जनवरी तक, मास्टर आफ हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन प्रथम सेमेस्टर 13 से 25 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की 12 से 24 जनवरी तक होंगी।

बीबीए टूरिज्म चार, डिप्लोमा योग की परीक्षा आठ से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक के 14 से ज्यादा विषयों का परीक्षा कार्यक्रम शनिवार को जारी कर दिया। बी.बी.ए. टूरिज्म प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं चार से तो पीजी डिप्लोमा इन योग की परीक्षा आठ जनवरी से शुरू होंगी। एम.ए. हिंदी, एम.एससी. माइक्रो बायोलाजी, एमए संस्कृत सहित कई विषयों का परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड किया गया है।

बी.बी.ए. टूरिज्म प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं चार से 20 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा छह से 22 जनवरी, इसके एरजेम्प्टेड, बैक पेपर व ओल्ड कोर्स प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 से 20 जनवरी तक होंगी। पीजी डिप्लोमा योग तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा आठ से 18 जनवरी तक, एम.ए./ एम.एससी. योग प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा आठ से 20 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की नौ से 19 जनवरी, एम.एससी. न्यूट्रिशन प्रथम सेमेस्टर (न्यू कोर्स) की परीक्षा 12 से 19 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की 13 से 20 जनवरी, बीएलआइएससी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 व एमएलआइएससी प्रथम सेमेस्टर की 13 जनवरी से होंगी। एम.ए. वेस्टर्न हिस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 10 से 22 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की 11 से 19 जनवरी, एम.ए. कम्पोजिट हिस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 16 से 22 जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की 15 से 19 जनवरी तक होंगी।

इंटरएक्टिव पैनल से छात्राएं कर सकेंगी पढ़ाई

जासं, लखनऊ : एपी सेन गर्ल्स पीजी कालेज में छात्राएं स्मार्ट क्लास रूम में इंटरएक्टिव पैनल के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगी। इसके लिए सरोजनी नगर के विधायक डा. राजेश्वर सिंह ने आधुनिक एवं उच्च तकनीक वाला इंटरएक्टिव पैनल उपहार में दिया है। प्राचार्य प्रो. रचना श्रीवास्तव ने बताया कि दिसंबर के प्रथम सप्ताह में विधायक से इसके लिए आग्रह किया गया था, जिसके बाद उन्होंने यह सुविधा उपलब्ध कराई है। नव वर्ष में छात्राओं को इंटरएक्टिव पैनल के माध्यम से पढ़ाने के लिए शिक्षक स्वयं को अपग्रेड करेंगी।

HINDUSTAN PAGE 6

12 विषयों पर सत्र में विशेषज्ञ करेंगे चर्चा

बैठक

- राष्ट्रीय संस्थागत शिखर सम्मेलन के लिए कुलपति ने की बैठक
- तीन दिवसीय कार्यक्रम में सभी विवि के कुलपति लेंगे हिस्सा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में एनएसआईएल-2024 के आयोजन को लेकर कुलपति ने बैठक की। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में 12 विषयों पर सत्र आयोजित करने पर सहमति बनी।

एलयू और विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की ओर से 15 से 17 फरवरी, 2024 तक राष्ट्रीय संस्थागत नेतृत्व शिखर सम्मेलन - 2024 (एनएसआईएल) का आयोजन किया जाएगा। जिसमें देश के सभी राज्य, केंद्रीय व निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और विद्वानजनों को आमंत्रित किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले एनएसआईएल की तैयारियों के मद्देनजर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को बैठक की। जिसमें यह तय हुआ है कि तीन दिवसीय सम्मेलन में 12 विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिसमें जानकारी के अनुसार विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

कई विषय होंगे शामिल: जिसमें बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, एनसीआरएफ और एपीएआर, संस्थागत नेतृत्व एवं शासन, एचईआई में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण, समग्र शिक्षा के लिए अनुसंधान एवं नवाचार, संस्थागत सहयोग और शैक्षणिक संबंध, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व, एचईआई में सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित समूह, एचईआईएस की रैंकिंग और मान्यता, भारतीय एचईआई @2047, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच, पर्यावरणीय स्थिरता विषय शामिल है। बैठक में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. केया पांडेय मौजूद रहे।

i-NEXT PAGE 5

लखनऊ यूनिवर्सिटी में 15 से 17 फरवरी के बीच एनएसआईएल

LUCKNOW(30 Dec): एलयू में 15 से 17 फरवरी को होने वाले संस्थागत नेतृत्व शिखर सम्मेलन नेशनल समिट फॉर इंस्टीट्यूशनल लीडरशिप 2024 की तैयारियों को लेकर 30 दिसंबर को मंथन हॉल में एक बैठक की गई. शिखर सम्मेलन विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की एक पहल है, जिसे एलयू आयोजित करवा रहा है. बैठक में चर्चा तीन दिनों तक होने वाले शिखर सम्मेलन की संरचना पर केंद्रित रही. चर्चा का मुख्य फोकस तकनीकी सत्र रहे. टेक्निकल सेशन की बात करें तो बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, एनसीआरएफ और एपीएआर, संस्थागत नेतृत्व एवं शासन, एचईआई में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण, समग्र शिक्षा के लिए अनुसंधान एवं नवाचार, संस्थागत सहयोग और शैक्षणिक संबंध, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व, एचईआई में सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित समूह, एचईआईएस की रैंकिंग और मान्यता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच, पर्यावरणीय स्थिरता पर चर्चा की जाएगी. शिखर सम्मेलन में आइडिया एक्सचेंज पर एक सत्र भी होगा जहां भाग लेने वाले संस्थानों को एनईपी 2020 कार्यान्वयन के संबंध में अपने सफल मॉडलों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा. सम्मेलन में स्टेट यूनिवर्सिटीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटीज के साथ प्राइवेट यूनिवर्सिटीज और स्वायत्त संस्थानों के संस्थापक, प्रबंधन, चांसलर या वाइस चांसलर या निदेशक व प्रिंसिपल भागीदार होंगे

लविवि के कला संकाय में शुरू हुआ निर्माण कार्य

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय में निर्माण कार्य कराए जाने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि निर्माण कार्य बिना टेंडर के ही शुरू हो गया है। इसको लेकर तमाम सी बातें सामने आई हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में इन दिनों अध्ययन बंद है। शीतकालीन अवकाश के दौरान कुछ परीक्षाओं के आयोजन हो रहे हैं। ऐसे में कला संकाय में निर्माण कार्य कराया जा रहा है। निर्माण कार्य बिना अनुमति के होने की चर्चा तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुई। ऐसे में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि कला संकाय में कुछ मरम्मत का कार्य अवश्य चल रहा है, यह रूटीन का कार्य है। जो ऊपर छोटे-छोटे पौधे निकल आने के कारण कराए जा रहे हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शिखर सम्मेलन को लेकर कुलपति ने ली बैठक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 15 से 17 फरवरी के बीच राष्ट्रीय संस्थागत नेतृत्व शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विवि अधिकारियों व शिक्षकों के संग बैठक ली। बैठक में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और अनुसंधान को लेकर चर्चा होगी। तमाम बिंदुओं पर विमर्श होगा। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में 250-300 शैक्षणिक संस्थाओं के प्रमुखों के शामिल होने उम्मीद है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में व्यापक बदलावों पर बात होगी। कार्यक्रम में बहु अनुशासनात्मक शिक्षा, संस्थागत नेतृत्व एवं शासन, उच्च शिक्षा संस्थाओं में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण समेत कुल 12 बिंदुओं पर चर्चा होगी। (संवाद)

NBT PAGE 4

उच्च शिक्षा पर मंथन के लिए शिखर सम्मेलन

एनबीटी, संवाददाता, लखनऊः एलयू में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में और सुधार पर मंथन के लिए 15-17 फरवरी के बीच नेशनल समिट ऑफ इंस्टीट्यूशनल लीडर-2024 होगी। इसमें पीएम व सीएम को भी बुलाने की तैयारी है। एलयू वीसी ने बैठक में चर्चा की कि समिट में सभी राज्य, केंद्रीय व निजी विवि के कुलपतियों को आमंत्रित किया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

राष्ट्रीय संस्थागत नेतृत्व शिखर सम्मेलन को लेकर हुई बैठक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सभी विश्वविद्यालय लेंगे सम्मेलन में हिस्सा

अमृत विचार : 15-17 फरवरी 2024 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय संस्थागत नेतृत्व शिखर सम्मेलन की तैयारियों के संबंध में शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हॉल में एक बैठक आयोजित की गई। यह चर्चा तीन दिनों तक होने वाले शिखर सम्मेलन की संरचना पर केंद्रित रही। चर्चा का मुख्य फोकस तकनीकी सत्र थे।

शिखर सम्मेलन में बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा, समग्र शिक्षा के लिए अनुसंधान एवं नवाचार, संस्थागत सहयोग और शैक्षणिक संबंध, पर्यावरणीय स्थिरता समेत अन्य विषयों पर विचार-विमर्श होगा लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं होगा।

शिखर सम्मेलन में 'आइडिया एक्सचेंज' पर एक सत्र भी होगा। इस शिखर सम्मेलन में राज्य विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थानों के संस्थापक, प्रबंधन, निदेशक व प्रिंसिपल हिस्सा लेंगे।

गुजरात में तैयार होंगी लविवि जैसी इमारतें

लखनऊ : गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद से सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी और संपत्ति अभियन्ता शैलेश गोस्वामी रविवार को लविवि में आ रहे हैं। लविवि के कला संकाय भवन, भौतिक विज्ञान भवन और रसायन विज्ञान भवन पर की सजावटी प्रकाश, गौरव स्थल एवं संविधान स्थल को देखने को ये लोग आ रहे हैं। यहां से वे लोग उपरोक्त स्थानों का फोटो खींच कर और वीडियो बनाकर ले जायेंगे। इसके बाद गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद में भी इसी प्रकार के स्थलों को स्थापित करने की योजना है। गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अध्ययन किया है।

लवि : नए साल में शुरू होंगे आनलाइन कोर्स

जासं, लखनऊ : अब सत्र 2024 में लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के परीक्षा संबंधी सभी कार्य एक ही छत के नीचे होंगे। इसके लिए करीब 25 करोड़ की लागत से भव्य परीक्षा भवन तैयार किया जा रहा है। छात्र-छात्राएं आनलाइन माध्यम से भी कोर्स में प्रवेश ले सकेंगे। इसकी शुरुआत फरवरी में बी.बी.ए, बी.काम व एम.काम पाठ्यक्रम से होगी। उसके बाद परास्नातक स्तर पर भी आनलाइन माध्यम से एआइएच, संस्कृत, अंग्रेजी, पालिटिकल साइंस जैसे विषयों की पढ़ाई की जा सकेगी। इसके अलावा छात्र-छात्राओं को बेहतर प्लेसमेंट दिलाने सहित कई और सुविधाएं भी दिए जाने की योजना है।

विश्वविद्यालय में एकेमिक, इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर काफी सुविधाएं बढ़ी हैं। इन्हीं प्रयासों की वजह से श्रेणी वन विश्वविद्यालय सहित कई उपलब्धियां मिलीं। अब आगे बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है। अभी तक परिसर में छह स्थानों पर परीक्षा संबंधी कार्य होता है। इसे एक छत के नीचे लाने के लिए परिसर में भव्य परीक्षा भवन का निर्माण कराया जा रहा। छात्रों की सुविधा के लिए भव्य तरीके से गेट नंबर तीन भी तैयार हो रहा है।

फार्मेसी का होगा अपना भवन : द्वितीय परिसर में फार्मेसी का तीन मंजिला भवन भी बन रहा। यहां बी.फार्मा और डी.फार्मा के विद्यार्थियों के लिए हाईटेक लैब के साथ-साथ प्रयोग के लिए एनिमल हाउस की भी सुविधा होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में गोकर्णनाथ रोड पर करोड़ों की लागत से परीक्षा भवन तैयार किया जा रहा है। इसके बनने से एक ही छत के नीचे परीक्षा संबंधी सभी कार्य हो सकेंगे। उधर विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में तैयार किया जा रहा फार्मेसी का नया भवन ● जागरण

- 25 करोड़ की लागत से भव्य परीक्षा भवन मिलेगा। एक ही छत के नीचे होंगे परीक्षा संबंधी कार्य

वर्ष 2024 का प्रमुख लक्ष्य

- नए वर्ष में आनलाइन माध्यम से कोर्स करने की सुविधा
- फार्मेसी पाठ्यक्रम के लिए नया भवन मार्च तक मिल जाएगा। लैब की सुविधा होगी।
- 100 नए शिक्षकों की भर्ती होगी

"विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाने के लिए काफी प्रयास किए जा रहे। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 14 एमओयू भी हुए हैं। परिसर में एक ही जगह पर परीक्षा संबंधी कार्यों के लिए परीक्षा भवन बन रहा है। फार्मेसी भवन की सुविधा भी जल्द मिलेगी। फरवरी में आनलाइन कोर्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की योजना है। प्लेसमेंट पर भी पूरा फोकस रहेगा। **प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति, लवि

यूपी में श्रेणी वन बनकर पाई बड़ी उपलब्धि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2023 कई मायनों में बेहद खास रहा। 103 साल के इतिहास में पहली बार वर्ष 2022 में नैक से ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने के एक साल बाद ही यूजीसी से उत्तर प्रदेश में श्रेणी वन विश्वविद्यालय का दर्जा पाकर लवि ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। शोध प्रकाशन से 20 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी, सर्वाधिक विदेशी छात्रों की पसंद बनने के साथ लवि ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ट्विनिंग, ज्वाइंट, ड्यूल डिग्री प्रोग्राम शुरू करने और उनके प्लेसमेंट पर भी खास फोकस किया। वहीं, भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी करने की जिम्मेदारी मिलने पर खुशी तो डीएसटी व भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन के बीच हुए विवाद की वजह से इसका आयोजन न होने से निराशा भी हुई।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को दूसरे कार्यकाल की जिम्मेदारी मिलने के बाद जनवरी-2023 में उन्होंने नई योजनाओं के साथ काम शुरू किया। कैंपस में सेंटर फार आनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन को मंजूरी दी। प्रवेश के लिए पहली बार अनिवार्य रूप से लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) लागू किया, जिसका शिक्षक संगठनों एवं छात्र संगठनों ने विरोध भी किया। पीसीएस जे सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं में भी मेधावियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

वर्ष 2023 की प्रमुख उपलब्धियां

- मिशन चंद्रयान-3 में लवि की पूर्व छात्रा रितु करिधाल को अहम भूमिका मिलना
- 14 अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ एमओयू
- ट्विनिंग, ज्वाइंट और ड्यूल डिग्री प्रोग्राम को मंजूरी
- नए पीएच.डी आर्डिनेंस में शोधार्थियों के लिए सुविधाओं का प्रस्ताव पास
- शिक्षकों को 21 फंडिंग एजेंसी के माध्यम से 1414.29 लाख रुपये के 140 प्रोजेक्ट भी मिले।
- 1611 विद्यार्थियों का प्लेसमेट, सर्वाधिक पैकेज 23.61 लाख का।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में शिखर सम्मेलन की तैयारियां तेज

लविवि कुलपति प्रो. आलोक राय की अध्यक्षता में हुई बैठक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। आगामी 15-17 फरवरी तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय संस्थागत नेतृत्व शिखर सम्मेलन (नेशनल समिट फॉर इंस्टीट्यूशंल लीडरशिप - एनएसआईएल) 2024 की तैयारियों के संबंध में शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हॉल में एक बैठक आयोजित की गयी।

शिखर सम्मेलन विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की एक पहल है और लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है। यह चर्चा तीन दिनों तक होने वाले शिखर सम्मेलन की संरचना पर केंद्रित रही। चर्चा का मुख्य फोकस तकनीकी सत्र थे। शिखर सम्मेलन में इन विषयों पर विचार-विमर्श होगा लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं होगा। इसमें बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, एनसीआरएफ और एपीएआर, संस्थागत नेतृत्व एवं शासन, एचईआई (हाईयर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस) में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण, समग्र शिक्षा के लिए अनुसंधान एवं नवाचार, संस्थागत सहयोग और शैक्षणिक संबंध, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व, एचईआई में सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित समूह, एचईआईएस की रैंकिंग और मान्यता, भारतीय एचईआई@2047, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच और पर्यावरणीय स्थिरता है।

शिखर सम्मेलन में आइडिया एक्सचेंज पर एक सत्र भी होगा, जहां भाग लेने वाले संस्थानों को एनईपी 2020 कार्यान्वयन के संबंध में अपने सर्वोत्तम प्रथाओं, सफल मॉडलों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस शिखर सम्मेलन में राज्य विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थानों के संस्थापक, प्रबंधन, चांसलर या वाइस चांसलर या निदेशक व प्रिंसिपल भागीदार होंगे।

लविवि की लाइटिंग के तर्ज पर सजेगा गुजरात विवि

गुजरात विवि से आज पहुंचेंगे लविवि

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी और संपत्ति अभियन्ता शैलेश गोस्वामी लखनऊ विश्वविद्यालय में 31 दिसम्बर को आ रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय भवन, भौतिक विज्ञान भवन और रसायन विज्ञान भवन पर की सजावटी प्रकाश (लाइटिंग), गौरव स्थल एवं संविधान स्थल को देखने को ये लोग गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से लखनऊ विश्वविद्यालय आ रहे हैं। यहां से वे लोग इन स्थानों का फोटो खींच कर और वीडियो बनाकर ले जायेंगे। इसके बाद गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में भी इसी प्रकार के स्थलों को स्थापित करने की योजना है। गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अध्ययन किया है।